पंजाब केसरी 25/02/2026

विद्यार्थियों ने किया रोपड़ का शैक्षणिक-ऐतिहासिक भ्रमण

रोपड़ का शैक्षणिक-ऐतिहासिक भ्रमण करते गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के विद्यार्थी।

अम्बाला, 24 फरवरी (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के इतिहास विभाग, गांधी अध्ययन केंद्र एवं संग्रहालय के विद्यार्थियों ने पंजाब के रोपड़ क्षेत्र का शैक्षणिक-ऐतिहासिक भ्रमण किया। इस शैक्षणिक यात्रा का नेतृत्व इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मवीर सैनी तथा हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रितु गुप्ता ने किया। यात्रा का आरंभ रोपड़ आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम से हुआ, जहां विद्यार्थियों ने सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित हड़प्पा कालीन अवशेषों का अवलोकन किया। लगभग 4000 वर्ष प्राचीन मिट्टी के बर्तन, मुद्राएं और टेराकोटा प्रतिमाएं विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

डॉ. धर्मवीर सैनी ने रोपड़ को हड़प्पा सभ्यता की उत्तरीतम बस्तियों में से एक बताते हुए इसे प्राचीन व्यापारिक नेटवर्क से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण केंद्र बताया। इसके बाद विद्यार्थियों ने रोपड़ वैटलैंड का भ्रमण किया, जहां विद्यार्थियों ने सतलुज नदी तंत्र, प्राचीन कृषि पद्धतियों और वर्तमान पर्यावरण संरक्षण प्रयासों के मध्य संबंधों पर विचार-विमर्श किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने रोपड़ के ऐतिहासिक गुरुद्वारों में भी श्रद्धापूर्वक दर्शन किए और सिख गुरुओं की यात्राओं से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों पर चर्चा की। विद्यार्थियों ने महाराज रणजीत सिंह पार्क में महाराजा रणजीत के किले के अवशेषों का अध्ययन किया और 1809 की सीज सतलुज संधि के महत्व को समझा। भ्रमण का समापन सतलुज नदी पर बने डैम परिसर में हुआ, जहां स्वतंत्रता के उपरांत भारत की इंजीनियरिंग उपलब्धियों और सतलुज नदी के ऐतिहासिक महत्व पर चर्चा की गई।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने इतिहास विभागाध्यक्ष एवं यात्रा संयोजक डॉ. धर्मवीर सैनी तथा हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं सह-संयोजक डॉ. रितु गुप्ता को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि सामाजिक विज्ञान में अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देने की यह पहल इतिहास, संस्कृति और पर्यावरण के परस्पर संबंधों को समझने की दिशा में अत्यंत सराहनीय प्रयास है।